Title : Need to make provision of insurance for cattle reared by farmers-Laid.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): एक आकलन के अनुसार विश्व में सबसे अधिक पशुधन भारतवर्ष में है और किसानों के लिए यह अतिरिक्त आय का प्रमुख स्रोत भी है । साथ ही पारम्परिक रूप से भी किसान गौवंश सहित अन्य जानवरों का पालन करते आये हैं तथा ये किसानों के जीवन के अभिन्न अंग भी है ।

चारे की कमी और देशी गौवंश के अनुवांशिक गुणों के चलते बुंदेलखंड सहित देश में अन्य हिस्सों में छुट्टा गौवंश एक गंभीर समस्या रही है और इसको बुंदेलखंड में अन्ना प्रथा के नाम से भी जाना जाता है । इस समस्या पर अंकुश लगाए जाने के लिए चारा उपलब्धता सहित किसानों को प्रति गौवंश आर्थिक प्रोत्साहन दिए जाने की मांग को पूर्व में सदन में कई बार मेरे द्वारा उठाया जा चुका है और अब वर्तमान में उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा किसानों को प्रति गौवंश 900 रूपये के आर्थिक प्रोत्साहन को भी प्रारंभ कर दिया गया है जिससे बुंदेलखंड में अन्ना प्रथा पर अंकुश करने में मदद मिल रही है ।

परन्तु देश में बीमारी और अन्य कारणों पशुधन को हानि भी होती रही है और वर्तमान में लम्बी बीमारी के कारण पशुधन को हुई हानि इसका ज्वलंत उदहारण है । अत: इस सन्दर्भ में किसानों को सहयता की पहल की नितान्त आवश्यकता है ।

अत: मै सरकार से यह मांग करता हूँ कि फसल बीमा योजना की तरह किसानों के पशुधन हेतु पशुधन बीमा का भी प्रावधान किया जाए जिससे असमय पशुओं की होने वाली हानि या दुर्घटना पर किसानों की हुई क्षति की यथोचित भरपाई की जा सके ।